मंगलवार
15 मार्च 2022

पृष्ठ 4

गर्मियों में करें इन स्वास्थ्यवर्धक जूस का सेवन

पृष्ठ 5

थलापति 66 में हुई रश्मिका मंदाना की एंट्री

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 49
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मुठ्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं।

– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दिल्ली में सजी सत्ता की सियासी शतरंज

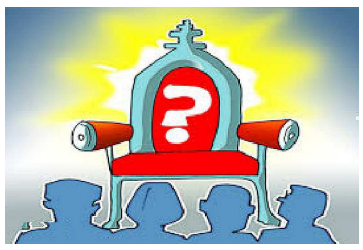

●भाजपा नेताओं का दिल्ली में जमावड़ा
●सीएम और नई सरकार पर माथापच्ची
●हाईकमान को ही करने हैं सभी फैसले

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। चुनावी नतीजे आए हुए 6 दिन बीत चुके हैं। एक मजबूत जनादेश के साथ सत्ता में वापसी का रास्ता तो साफ हो गया लेकिन सीएम का चेहरा माने जाने वाले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चुनाव हारने से सरकार गठन को लेकर अवरोधक पैदा हो गया। पार्टी के कुछ अन्य नेताओं को मुख्यमंत्री की कुर्सी अपने करीब दिखने लगी तो लाबिंग का खेल भी लाजमी हो गया। हालात यह है कि लगभग तमाम बड़े नेताओं का दिल्ली में जमावड़ा लगना शुरू हो गया। क्योंकि सभी जानते हैं कि अब चाहे बात सीएम की हो या फिर सरकार में मंत्री बनने की सब कुछ दिल्ली दरबार में ही तय होना है।

कुछ भाजपा नेता बिना किसी के बुलावे पर दिल्ली गए हैं तो कुछ हाईकमान के बुलावे पर यहां पहुंचे हैं। जो बिना बुलाए गए हैं वह पार्टी के केंद्रीय नेताओं को गुलदस्ता भेंट कर उनसे मिलकर अपनी गोटियां फिट करने में लगे हुए हैं और पूछने पर अपनी मेल मुलाकातों को शिष्टाचार बताते हैं। वही जो सांसद और प्रवक्ता दिल्ली में है वह तो दिल्ली में है ही, जो प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोटो खिंचवाते नजर आ रहे हैं। बाकी अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और मदन कौशिक भी दिल्ली हाईकमान के बुलावे पर दिल्ली पहुंच गए हैं। बाकी विधायकों की तो बात ही क्या करना है। कई तो लगातार दिल्ली देहरादून दौड़ रहे हैं वहीं कई नेता लगातार दिल्ली में ही डेरा डाले हुए हैं।

खास बात यह है कि आधा दर्जन से भी अधिक नाम अब तक सीएम की दावेदारी के लिए आ चुके हैं मदन कौशिक, सतपाल महाराज, धन सिंह रावत, त्रिवेंद्र रावत और रितु खंडूरी से लेकर सुबोध उनियाल तक के तमाम नाम इस सूची में जुड़ते जा रहे हैं सभी को लग रहा है कि उनके नाम की भी लॉटरी खुल सकती है। यही नहीं तमाम विधायक खुद को भाजपा की कैबिनेट का हिस्सा बनाने के जोड़-जुगाड़ में भी लगे हुए हैं।

होली से पूर्व दिल्ली में सूबे की सरकार का खाका तय किया जाना तय है। आज और कल दो दिन में पार्टी सभी मुद्दों पर फैसला कर लेगी यह दिल्ली सूत्रों से मिली जानकारी है। भले ही इन पर अमल की औपचारिकताएं होली बाद पूरी की जाए। आज सीएम धामी और मदन कौशिक बीएल संतोष तथा जेपी नड्डा से मुलाकात कर रहे हैं। कुल मिलाकर सत्ता का सियासी शतरंज दिल्ली में चल रहा है। जिसका परिणाम 19 मार्च को सभी के सामने आने की संभावना है।

कांग्रेस में हार पर रार

❑कपिल सिब्बल बोले घर की कांग्रेस न हो सबकी कांग्रेस हो
❑मैं अगर इतनी बड़ी बुराई तो मुझे होलिका के साथ दहन कर दो: हरीश

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। पांच राज्यों में हार के बाद कांग्रेस में दिल्ली से लेकर देहरादून तक घमासान मचा हुआ है। हार की समीक्षा के नाम पर कांग्रेसी नेताओं के बीच जिस तरह की तकरार और आरोप-प्रत्यारोपों की बौछार हो रही है उसका पूरा आनंद भाजपा ले रही है। कांग्रेस के कुछ नेता पार्टी के लोगों से अपील कर रहे हैं कि जो कुछ कहना है पार्टी फोरम में अपनी बात रखें और सोशल मीडिया में बयान देकर पार्टी को नुकसान नहीं पहुंचाए। लेकिन उनकी इस अपील का कहने वालों पर कोई असर नहीं हो रहा है।

बीते कल दिल्ली में हुई आईसीसी की 5 घंटे लंबी चली बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से लेकर प्रदेश संगठनों तक में बड़े बदलाव पर चर्चा हुई। आज कपिल सिब्बल ने एक बार फिर परिवारवाद को लेकर कड़ा प्रहार किया है। उनका कहना है कि कांग्रेस घर की कांग्रेस नहीं होनी चाहिए सबकी कांग्रेस होनी चाहिए। इस मुद्दे पर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व दो भागों में बंटा हुआ है एक गुट का मानना है कि कांग्रेस का अस्तित्व गांधी परिवार के बिना संभव नहीं है जबकि दूसरा पार्टी को परिवारवाद से मुक्ति की पैरोंकारी कर रहा है। पीएम मोदी ने चुनावी नतीजों के बाद परिवार वादियों का सफाया होने को लेकर जो बात कही उससे कांग्रेस की रार और बढ़ गई है।

उधर बीते कल पूर्व सीएम हरीश रावत पर रंजीत रावत ने जो गंभीर आरोप लगाए हैं उन्हें लेकर सूबे की कांग्रेस में भारी हलचल पैदा हो गई है। रंजीत रावत के आरोपों पर हरीश रावत इस कदर आहत है कि उन्होंने भी सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिख कर डाला है और कहा है कि एक बड़े पदाधिकारी द्वारा उन पर जो आरोप लगाए गए हैं वह अत्यंत ही गंभीर हैं उनका कहना है कि अगर हरीश रावत इतनी बड़ी बुराई है तो उन्हें होलिका दहन के

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

रूस ने किया खेर्सोन पर कब्जा, मिसाइल हमले में 20 मरे

कीव। रूस–यूक्रेन जंग के २०वें दिन क्रेन के साथ शांति वार्ता चलने के बावजूद रूस लगातार यूक्रेनी शहरों में रिहायशी इलाकों पर बमबारी कर रहा है। इस बीच रूसी सेना ने बड़ा दावा किया है कि खेर्सोन इलाका पूरी तरह से उसके नियंत्रण में आ चुका है। यूक्रेन की राजधानी के एक रिहायशी इलाके में मंगलवार को रूस ने कई हवाई हमले किए, जिससे कीव में १५ मंजिला एक इमारत में आग लग गई। हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी और कई अन्य के इमारत में फंसे होने की आशंका है।

कीव क्षेत्र के प्रमुख ओलेक्सी कुलेबा ने यूक्रेनी टेलीविजन को बताया कि रूस ने उत्तर–पश्चिमी उपनगर इरपिन, बुका और होस्तोमेल में भी रात भर हमले किए। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने फेसबुक पर बताया कि रूसी सेना ने मंगलवार को दक्षिण में बंदरगाह शहर मारियुपोल पर कब्जा करने की कोशिश एक बार फिर शुरू की और पूर्व में खारकीव शहर पर तोपों से फिर गोले दागे।

रूस के सरकारी टेलीविजन चौनल पर एक समाचार कार्यक्रम के दौरान सोमवार शाम एक महिला यूक्रेन में रूस के आक्रमण का विरोध करते हुए एक पोस्टर पकड़े स्टूडियो में घुस गई। देश में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के विरोध में उठाया गया यह काफी साहसी कदम है, वह भी ऐसे समय में जब रूस देश में स्वतंत्र मीडिया को अवरुद्ध या बंद करने के पूरे प्रयास कर रहा है और युद्ध को लेकर सरकार की नीतियों के खिलाफ कोई भी खबर दिखाना अपराध की श्रेणी में आता है।

पिछले 24 घंटों में कोरोना के आए 2,568 नए मामले

नई दिल्ली। कोरोना मामलों में अब लगातार गिरावट देखी जा रही है। देशभर में पिछले २४ घंटों में कोरोना वायरस के कुल २५६८ नए मामले सामने आए हैं, यह कल सामने आए मामलों से २.५ फीसदी ज्यादा है। इसके साथ ही देश में कुल कोविड संक्रमितों की संख्या बढ़कर अब ४ करोड़ २६ लाख, ६६ हजार ६२ हो गई है। वहीं, पिछले २४ घंटों में देश में कुल ६७ लोगों की मौत भी हुई है इसके साथ ही अबतक देश में कोविड से कुल ५ लाख १५ हजार ६७४ लोगों की मौत हो चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में फिलहाल कुल एक्टिव केस की संख्या घटकर ४० हजार से भी नीचे आ गई है।

सत्य को दबाने का प्रयास किया गया: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली । द कश्मीर फाईल्स पर मचे हंगामे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा बयान दिया है। पीएम मोदी ने मंगलवार को कहा कि सत्य को दबाने का प्रयास किया गया। भाजपा संसदीय दल की बैठक में पीएम ने यह बयान दिया। फिल्मकार विवेक अग्निहोत्री की यह फिल्म घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन और उनके साथ हुई ज्यादती एवं जुल्म पर आधारित है। यह फिल्म ११ मार्च को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को १९९० के दशक की सच्ची घटनाओं एवं तथ्यों के आधार पर बनाया गया है। इस फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सिनेमाघरों में पहुंच रहे हैं। इससे पहले शनिवार को निर्देशक विवेक अग्निहोत्री, उनकी पत्नी एवं अभिनेत्री पल्लवी जोशी और फिल्म के निर्माता अभिषेक अग्रवाल ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। अभिषेक ने बताया कि पीएम ने उनकी फिल्म की प्रशंसा की। फिल्म विश्लेषक तरण आदर्श ने इस मुलाकात की तस्वीर ट्विटर पर शेयर की। द कश्मीर फाइल्स फिल्म में अनुपम खेर, दर्शन कुमार और मिथुन चक्रवर्ती ने भूमिका निभाई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

हिजाब पर स्वागत योग्य फैसला

कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा हिजाब पर आज जो फैसला सुनाया गया है वह स्वागत योग्य है। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आजादी के 75 साल बाद भी अगर देश का समाज धर्म और जातिवाद की जिन संकीर्णताओं में उलझा हुआ है उन्हें देश की एकता और अखंडता के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है। देश के विकास के लिए और सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिए संकीर्णताओं के दायरे से बाहर आने की जरूरत है। इस विवाद को लेकर अदालत में हिजाब को मौलिक अधिकार बता कर उन पर हमले का आरोप लगाते हुए जो याचिका दायर की गई थी उसे अदालत ने खारिज कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में साफ कर दिया है कि हिजाब पहनना मुस्लिम धर्म की अनिवार्यता नहीं है। वहीं अदालत द्वारा शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित यूनिफॉर्म पहनने की व्यवस्था को जायज ठहराया गया है। यह ठीक है कि हमारा संविधान व उसमें उल्लेखित मौलिक अधिकार हर व्यक्ति को अपनी मनपसंद ड्रेस (कपड़े) पहनने का अधिकार देते हैं लेकिन अगर कोई महिला यह कहे कि उसका धर्म हिजाब पहनने के अतिरिक्त अन्य कुछ पहनने की इजाजत नहीं देता है तो यह गलत ही है। क्या मुस्लिम महिलाएं हिजाब के अलावा कुर्ता सलवार व अन्य कपड़े नहीं पहनती हैं। तो फिर कॉलेज या स्कूल जाने के लिए हिजाब पहनने की जिद ही क्यों? दरअसल यह पूरा हिजाब विवाद पांचों राज्यों के चुनाव से पूर्व कुछ शरारती तत्वों के दिमाग की सोची समझी साजिश थी जिसकी शुरुआत कर्नाटक के एक कालेज से हुई जब छात्राएं हिजाब पहनकर पहुंची। कालेज प्रबंधन ने जब उन्हें हिजाब में कालेज आने से रोका गया तो इसे अपने मौलिक अधिकारों का हनन बता कर बवाल खड़ा कर दिया गया। दिसंबर 2021 में कर्नाटक से शुरू हुआ यह विवाद चुनाव आते-आते तमाम राज्यों तक पहुंच गया। कर्नाटक सरकार द्वारा इस बीच एक शासनादेश लाकर शिक्षण संस्थाओं में तय यूनिफॉर्म पहनने को जरूरी कर दिया गया। आज हाईकोर्ट ने भी सरकार की इस व्यवस्था को उचित ठहरा दिया। हर शिक्षण संस्थान की अपनी एक यूनिफार्म होती है। जिसका अनुपालन हर छात्र को करना होता है क्या एएमयू अलीगढ़ के छात्र शेरवानी नहीं पहनते, जो भी छात्र यहां पढ़ते हैं क्या शेरवानी पहन कर यूनिवर्सिटी जाने से वह मुस्लिम हो जाते हैं या उनके मौलिक अधिकारों को उनसे छीन लिया जाता है? शिक्षण संस्थान में यह हिजाब पहनकर जाने वाली छात्राएं शौक से हिजाब पहने उन्हें भला कौन रोक रहा है और क्यों रोकेगा यहां यह भी समझा जाना जरूरी है कि आप के मौलिक अधिकारों की भी कुछ सीमाएं हैं सड़क पर चलने का अधिकार अगर कोई इस तरह से ले कि वह तो बीच सड़क पर चलेगा तो क्या उसे उचित ठहराया जा सकता है। दरअसल यह विवाद या इस तरह के विवाद कुछ होते ही नहीं उन्हें विवाद बनाया जाता है आपके हिजाब पहनकर स्कूल जाने न जाने से ज्यादा जरूरी है आपका शिक्षित होना। अगर आपको हिजाब पहनकर स्कूल आने से रोका जाता है और आप इसलिए स्कूल छोड़ कर घर बैठ जाते हैं तो आप अपना ही नुकसान कर रहे हैं। इन छात्राओं को हिजाब की बजाय अपने शिक्षण को लेकर चिंता करने की जरूरत है। हाईकोर्ट ने शिक्षण संस्थानों में अनुशासन बनाए रखने के लिहाज से जो फैसला दिया है वह स्वागत योग्य है किसी भी शिक्षण संस्थान में आप सिर्फ छात्र बन कर रहे हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई बनकर नहीं।

17 पेटी अंग्रेजी शराब सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। होली पर्व के चलते शराब की बिक्री ऊंचे दामों में करने के उद्देश्य से स्टोर करके रखी गयी 17 पेटी अंग्रेजी शराब सहित पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना लोहाघाट पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा होली के पर्व पर शराब बेचने के उद्देश्य से भारी मात्रा में शराब स्टाक की गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान कोलीढेक पूल के समीप से राकेश सिंह पुत्र नाथ सिंह निवासी टाक करायत, कर्णकरायत लोहाघाट को 17 पेटी अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसने पूछताछ में बताया कि उसके द्वारा यह शराब सस्ते दामों में खरीदकर होली पर्व के दौरान उंचे दामों में बेचने हेतु स्टोर कर रखी थी। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

कांग्रेस में हार पर रार

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

साथ दहन कर देना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस हाईकमान से अपने निष्कासन की अपील भी की है। उल्लेखनीय है कि बीते कल उनके निकट सहयोगी रहे रंजीत रावत ने उन पर टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए कहा था कि वह झूठ बोलने की राजनीति में माहिर है। रंजीत रावत ने उन पर अन्य कई गंभीर आरोप भी लगाए थे। चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेसी नेताओं के बीच इस तरह के आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं वह कांग्रेस की छवि को न सिर्फ खराब कर रहे हैं बल्कि इससे पार्टी को भारी नुकसान हो रहा है।

जखमी मृतक की मौत का खुलासा, एक्सीडेंट कर भागा आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। विगत सात मार्च को चकरपुर शिव मन्दिर के समीप मृत मिले व्यक्ति की मौत का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की हत्या नहीं की गयी थी, उसकी जान सड़क हादसे में गयी थी। जबकि सड़क हादसे का आरोपी भाग निकला था।

जानकारी के अनुसार बीते सात मार्च को चौकी चकरपुर पुलिस को सूचना मिली कि चकरपुर शिव मन्दिर से आगे सानिया नाले के पास एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उक्त व्यक्ति मृत मिला जिसके शरीर पर जख्मों के निशान पाये गये। शव की शिनाख्त देवेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र मधन सिंह विष्ट निवासी ग्राम काँचुला जिला अल्मोडा के रूप में की गयी। मृतक के परिजनों द्वारा उसकी हत्या किये जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। बताया जा रहा है कि मृतक की कार मौके पर ही पायी गयी थी। पुलिस जांच में पता चला कि मृतक पांच मार्च को अपनी इनोवा कार लेकर अल्मोडा से तीन दिन की बुकिंग में बनबसा आया था तथा 5 मार्च को रात्रि सात बजे इसके द्वारा खटीमा टोल पार किया गया व रात्रि विश्राम बनबसा में किया गया तत्पश्चात 6 मार्च को सुबह मृतक देवेन्द्र सिंह अपनी इनोवा गाड़ी में काम कराने के मकसद से हल्द्वानी गया तथा वापसी पर इसके द्वारा खटीमा टोल पार किया परन्तु अपने गन्तव्य बनबसा नहीं पहुँच पाया। मामले की जांच कर रही पुलिस टीम को घटनास्थल पर एक दाहिना साईड रियर व्यू मिरर कन्सोल मिला जो महेन्द्रा क्यान्टो गाडी का होना पता चला। पुलिस टीम द्वारा जब सीसी कैमरे खंगाले गये तो ज्ञात हुआ कि उक्त वाहन भीम सिह त्यागी पुत्र जयपाल सिंह निवासी डिडोली थाना मुरादनगर गाजियाबाद का है। जब पुलिस द्वारा भीम सिंह से पूछताछ की गयी तो भीम सिंह त्यागी ने बताया कि उक्त वाहन से वह अपने परिवार सहित अपनी ससुराल से गाजियाबाद आ रहा था। तथा वाहन को उसका रिश्तेदार मदन सिह बोरा पुत्र स्व. देव सिंह निवासी धारचुला चला रहा था। बताया कि चकरपुर के जंगल में गाड़ी के शीशे में धूल जमा हुई जिसे हटाने के लिये चालक ने पानी की बोतल से चलते वाहन में बाहर निकलकर शीशे में पानी डाला, जिस कारण वाहन से उसका कन्ट्रोल हट गया इसी दौरान देवेन्द्र सिंह जो कि हल्द्वानी से वापस बनबसा आ रहा था भी चकरपुर जंगल में वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर उतरा ही था कि क्वान्टो वाहन ने उसे टक्कर मार दी। चूँकि टक्कर सीधे व्यक्ति को लगी थी जिस कारण छिटककर काफी दूर गिर गया और उसकी मौत हो गयी। बताया कि चालक द्वारा अपने वाहन को वहाँ पर न रोकते हुये मौके से भाग गया। इस प्रकार जो घटना प्रथम दृष्टया हत्या प्रतीत हो रही थी वह सड़क दुर्घटना का होना स्पष्ट हुआ। पुलिस ने एक्सीडेंट कर फरार हुए आरोपी मदन सिंह बोरा पुत्र स्व. देव सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर मिलावट खोरी में अंकुश लगाने की मांग

संवाददाता

विश्व उपभोक्ता दिवस पर संयुक्त नागरिक संगठन के तत्वाधान में अखिल भारतीय उपभोक्ता समिति तथा दून सिटीजन काउंसिल के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम का आयोजन तस्मिया अकैडमी इंदौर रोड पर आयोजित किया गया। जिसमे सामाजिक संस्थाओ के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आम नागरिक खाद्य पदार्थों की मिलावट से अपने स्वास्थ्य को धोखा दे रहे हैं। सरकारी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों की जांच केवल खानापूर्ति सिद्ध हो रही है। मिलावटखोरी पर अंकुश नही है, खाद्य पदार्थो मे मिलावट के दोषी पाए गए लोगों पर दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग भी की गयी। वक्ताओं ने कहा कि अस्पतालों में दिनोंदिन रोगियों की बढ़ती भीड़ जिसका कारण खाद्य पदार्थों और खाने पीने की चीजों में मिलावट है। इस पर दवाइयों में भी मिलावट खोरी के सबूत पिछले वर्षों में पकड़ी गई नकली दवाइयों की खेप है जो रोगियों को आराम की जगह मौत के और करीब ला रही हैं। उन्होने कहा कि हर चीज मे मिलावट आम है, शुद्धता की गारंटी नही है। ऐसे मौत के सौदागरों को मौत की सजा मिलनी जरूरी है। मिलावट करने वाले और मिलावटी सामान बेचने वाले दोनों ही दोषी हैं। वक्ताओ ने कहा कि आमजन को सेवाओं का भी अधिकार है परंतु सरकार द्वारा दी जा रही सेवाओं से आमजन संतुष्ट नहीं हैं। आमजन को स्वच्छ वायु,स्वच्छ जल उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है परन्तु सरकार और शासन के अधिकारी आखें बन्द किये बैठे है। इनकी जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए इनपर दबाव डाला जाना उपभोक्ताओं के हित में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रिगेडियर केजी बहल ने की। मुख्य अतिथि डॉ एस फारूख थे और संचालन आरिफ खान ने किया। इस अवसर पर पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, श्वेता राज तलवार, सीपी ओबरॉय, केडी सिंह, सेवा सिंह माथुर, ठाकुर आर एस कैंथुरा,एमएस नेगी सहित कई लोग मौजूद रहे।

त्वामिद्धि हवामहे सातौ वाजस्य कारवः।
त्वां वृत्रेष्विन्द्र सत्पतिं नरस्त्वां काष्ठास्वर्वतः।।
(ऋग्वेद ६-४६-१)

हे सर्वव्यापक ईश्वर ! हम आपके आराधक हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। आप का आव्हान करते हैं कि हमें खाद्य पदार्थ, उर्जा, मान-सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि प्रदान करें। हे ईश्वर ! हम आपको सभी दिशाओं से पुकारते हैं कि हमें जीवन के संघर्ष में हर प्रकार की समस्या से लड़ने की क्षमता प्रदान करें।

O Omnipresent God ! We worshipers, who work in different domains. We invoke you to give us food, energy, honour, protection and prosperity. O God ! We call upon you from all directions to give us the strength to fight all kinds of problems in the struggle of life.
(Rig Veda 6-46-1)

जिला प्रशासन के माध्यम से हरियाणा के सीएम को भेजा ज्ञापन

देहरादून (संवाददाता)। आंगनवाडी कार्यकत्रियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में जनवादी महिला समिति ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की अध्यक्ष इन्दु नौडियाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिला मुख्यालय में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदश्रन कर जिला प्रशासन के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि तीन मार्च को हरियाणा में आंगवाडी कार्यकत्री व सेविका अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आन्दोलन कर रही थी जिनपर बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने मांग की है कि आंगनवाडी कार्यकत्रियों व सेविकाओं पर बर्बर लाठीचार्ज करने वाले दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

सडक दुर्घटना में बीएसएफकर्मी की मौत

देहरादून (संवाददाता)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बीएसएफ कर्मी की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कमांडेट आरएन भाटी ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 30 बटालियन बीएसएफ के रसोईया प्रताप सिह अपनी डयूटी से घर जा रहा था जब वह दूधली रोड पर पहुंचा तो उसके वाहन को अज्ञात वाहने ने टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको उपचार के लिए स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पशु क्रूरता में दुकानदार के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। पशु क्रूरता में पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पशु व्रूरता निवारण समिति की सदस्य रूबीना नितिन निवासी प्रगति विहार सेलाकुई ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि भानियावाला में गढवाल चिकन शॉप के मालिक दिनेश द्वारा स्लाटर हाउस की जगह अपनी दुकान में पशुओं का वध किया जा रहा है जोकि पशु क्रूरता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान राजपुर रोड पर एक्टिवा सवार दो युवकों को रूकने का इशारा किया तो वह वाहन को पीछे की तरफ मोडकर भागने लगे तो पुलिस ने उनको पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 30 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अपार वत्स पुत्र मुकेश शर्मा निवासी डांडीपुर मौहल्ला व सचिन कुमार पुत्र राजेश निवासी मन्नूगंज बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

विधायक को गाली देने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (संवाददाता)। सोशल मीडिया पर विधायक को आपत्तिजनक गाली गलौच देने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माता मन्दिर कालोनी निवासी रितेश ममगाई ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया कि सोशल मीडिया में अज्ञात लोगों के द्वारा रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ को आपत्तिजनक गाली गलौच व धमकी दी जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने कालेज की पार्किंग से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखण्ड निवासी शिवम आदित्य ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां डांडा खुदाने वाला में स्थित लॉ कालेज में पढ रहा है। उसने अपनी बुलट मोटरसाईकिल कालेज की पार्किंग में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दीं।

प्रतिबन्धित कैप्सूलों के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने प्रतिबन्धित कैप्सूलों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान सभावाला मार्ग आसन पुल के पास एक मोटरसाईकिल पर सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडे हुए पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से एक हजार प्रतिबन्धित कैप्सूल बरामद कर लिये।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम आमिर शेख पुत्र आसिफ निवासी मेहूंवाला पेट्रोल पम्प के पास, समीर खां पुत्र नसीम निवासी लक्ष्मीपुर सहसपुर बताया। उन्होंने बताया कि वह यह कैप्सूल बिजनौर से लेकर आये हैं तथा यहां पर महंगे दामों पर बेचते हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

महिला मोर्चा ने कुष्ट आश्रम में राशन बांटा

संवाददाता

देहरादून। भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कुष्ट आश्रम में 50 परिवारों को राशन वितरित किया।

आज यहां भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद कमली भट्ट ने कुष्ट आश्रम में 50 परिवार के लोगों को राशन वितरण किया। इस अवसर पर आश्रम के प्रधान धन बहादुर ने कहा कि क्षेत्रीय पार्षद कमली भट्ट हमेशा ही गरीबों के बीच में निरंतर जनहित का कार्य करती आ रही है और उनके द्वारा लगातार बहुत वर्षों से गरीबों को राशन वितरण किया गया और उनकी समस्याओं का समाधान किया गया।

भारतीय जनता पार्टी ऐसे ही कार्यकर्ताओं के दम पर फिर से विजय पाने में सफल रही है। इस अवसर पर इस अवसर पर कुष्ठ आश्रम से राम सिंह, जानकी देवी, मन बहादुर, मधुली देवी, लीला देवी, किशनलाल, आनंदी देवी, माला देवी, जोगाराम, मथुरा देवी, सुभद्रा देवी, धनोली देवी, बेला देवी, सुमित्रा, ओम प्रकाश आदि कई लोग उपस्थित रहे।

सेना भर्ती की लिखित परीक्षा न होने पर युवाओं ने किया प्रदर्शन

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। २०२१ में सेना भर्ती की शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले युवाओं ने लिखित परीक्षा न होने पर प्रदर्शन किया। इस दौरान युवाओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। पिथौरागढ़ में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष ऋषेंद्र महर के नेतृत्व में युवाओं ने डीएम कार्यालय में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी युवाओं ने कहा कि २०२१ में फरवरी,जुलाई,सितंबर माह में अलग–अलग भर्ती केंद्रों में युवाओं ने शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। मेडिकल दक्षता पास करने के बाद अभी तक लिखित परीक्षा नहीं हो पाई है।

लिखित परीक्षा के लिए युवाओं को कोरोना का हवाला दिया जा रहा है। जबकि राजनीतिक,आर्थिक व अन्य गतिविधियां सामान्य रुप से चल रही हैं। कहा कि उम्र सीमा पार होने के बाद सेना भी युवाओं को जगह नहीं देगी। उन्होंने सेना से जल्द लिखित परीक्षा करवाने की मांग की है।

पब्लिक लाइब्रेरी ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शिक्षा से जोड़ती है: कुलपति

अल्मोड़ा (आरएनएस)। सोबन सिंह जीना विवि में पब्लिक लाइब्रेरीज ऑफ कुमाऊं रीजन इन उत्तराखंड, अपॉरचुनिटीनिटी एंड चौलेंजेस विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

इस दौरान विवि के कुलपति एवं कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. नरेंद्र सिंह भंडारी ने कहा पब्लिक लाइब्रेरी ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शिक्षा से जोड़ती है। ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत में इनकी स्थापना को लेकर हमारा विवि गंभीरता से सोच रहा है।

सोमवार को एडी पंत सेंट्रल लाइब्रेरी और राजा राममोहनराय लाइब्रेरी फाउंडेशन,कोलकाता, मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर भारत सरकार के संयुक्त तौर पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो.नरेंद्र सिंह भंडारी, मुख्य अतिथि राजा राममोहन राय लाइब्रेरी कोलकाता के डायरेक्टर जनरल फाउंडेशन प्रो. एपी सिंह, अतिथि प्रो. हेमंत शर्मा (एसओएस, लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस, पूर्व संकायाध्यक्ष,कला), मुख्य अतिथि डॉ नीजा सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष, टीएस स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी,चंडीगढ़), पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. भीमा मनराल, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विभाष कुमार मिश्रा ने किया। वक्ताओं ने यह पुस्तकों का दौर है। पुस्तकें हमें ज्ञान के साथ प्रेरित भी करती हैं। समुदाय में शिक्षा की व्यवस्था की सुचारू बनाने के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों की महत्वपूर्ण भूमिका और आवश्यकता है।

कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र चलाये गए। प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. नीजा सिंह पुस्तकालयाध्यक्ष, टीएस स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी, चंडीगढ़ एवं अध्यक्षता प्रो . निर्मला पंत ने और दूसरे तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ हेमंत शर्मा और अध्यक्षता प्रो. अनिल कुमार यादव निदेशक, ग्रीन ऑडिट ने तमाम जानकारियां दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. चंद्र प्रकाश फूलोरिया ने किया।

कन्या गुरुकुल में फाग महोत्सव का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। कन्या गुरूकुल के मनोविज्ञान विभाग द्वारा फाग महोत्सव का आयोजन किया। रंगोली प्रतियोगिता में तनु प्रथम व प्रीति ने द्वितीय स्थान पाया।

आज यहां कन्या गुरुकुल परिसर के मनोविज्ञान विभाग द्वारा फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें पोस्टर, रांगोली, स्लोगन, नृत्य तथा गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें हरिद्वार तथा देहरादून के मनोविज्ञान विभाग तथा अन्य विभागों की छात्राओं ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। रंगोली प्रतियोगिता में तनु एवं शिखा ने प्रथम, सीलम व प्रीति ने द्वितीय,अनुराधा, ज्योति, तृप्ति व अंकिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

जागृति व द्वितीय स्थान रितिका ने प्राप्त किया। नृत्य प्रतियोगिता में दीक्षा, रुद्राक्षी व खुशबू क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। गायन में विशेष प्रस्तुति वेदांशी द्वारा दी गई। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर रेनू शुक्ला, प्रोफेसर हेमलता, प्रोफेसर निपुर, डॉ हेमन पाठक, डॉ नीना गुप्ता, डॉ प्रवीणा, डॉ सविता, डॉ पूनम पैन्यूली, डॉ बबिता शर्मा, डॉ अर्चना डिमरी, डॉ निशा यादव, डॉ रचना पाण्डे, डॉ सुनीति आर्य, डॉ रीना वर्मा, डॉ प्राची आर्य, डॉ संयोगिता, डॉ रेखा राजपूत, डॉ अंजुलता श्रीवास्तव उपस्थित रहे तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया। अंत में डॉ ऋचा सक्सेना ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बंदिशों से मुक्त हो आकाश की तलाश

शमीम शर्मा

आदमी ने धरती, आकाश, पाताल, समुद्र, नदी, खेत-खलिहान, विज्ञान सब जीत लिये। यह काम उसने अपनी ताकत, तकनीक और तोप-बमों के बलबूते पर किया। साधनों के तो अम्बार लगा दिये पर संतानों के संस्कार और अपनी संस्कृति के लिये कहीं जगह नहीं छोड़ी। साथ ही तनाव और भय के जाल बिछा दिये और दुनिया जीतने की उसकी भूख अभी खत्म नहीं हुई है। इसका एक मात्र कारण है कि मारकाट व खून-खराबा उसे विचलित नहीं करते। किसी के आंसुओं के झरने का जल भी उसकी आत्मा को प्रभावित नहीं करता। चीखों की मर्मांतक आहें उसके जिगर को स्पर्श ही नहीं कर पातीं। मौत पर तांडव करने वालों की यह मर्दानगी निंदा लायक है।

दूसरी तरफ तोप और बंदूकों की नाल को पिघला कर औरतों ने थाली-कटोरी बना लिये होंगे और अपने परिजनों को स्वादिष्ट भोजन का थाल परोसा होगा। औरत ने जान लिया है कि लाशों को जलाने के लिये लकड़ी की उतनी जरूरत नहीं है, जितनी कि चूल्हों की आग के लिये। उसके लिये बड़े-बड़े शोरूम-मॉल के बनने से चावल-दाल का पकना ज्यादा जरूरी है। उसने परिवार के दिलों को जीत लिया और स्वयं को काम के बोझ के पहाड़ के नीचे दबने के लिये छोड़ दिया पर उफ्फ नहीं की। वह बार-बार स्वयं को बताती है ः-

बंदिशों ने बांध रखा है जमीन पर,
मैं वो शख्स हूं जिसे आसमान पसन्द है।

सच बात तो यह है कि हर कदम पर स्त्री योद्धा है पर उसके योद्धा होने में किसी तीर-तलवार की जरूरत नहीं है। न ही वह किसी का खून बहाती है। वह परिश्रम की सिपाही है जो जिंदगियों की रक्षा करने में स्वयं को हर पल तैनात रखती है। अपने दमन और शोषण को पल्लू से झाड़कर वह मुकाबला करने को फिर-फिर उठ खड़ी होती है। पांव तले की खिसकती जमीन को तलाश कर फिर ध्वज लहराती है और खिले फूल की तरह मुस्कराती है।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य पंक्तियां हैं ः-

तुम धूल हो
पैरों से रौंदी हुई धूल
बेचैन हवा के साथ उठो
आंधी बन
उनकी आंखों में पड़ो
जिनके पैरों के नीचे हो।
ऐसी कोई जगह नहीं
जहां तुम पहुंच न सको।

शरीर को मजबूती प्रदान करने में सहायक हैं ये हस्त मुद्राएं, ऐसे करें अभ्यास

अममून लोग शरीर को मजबूत बनाने के लिए जिम का सहारा लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह काम घर में ही कुछ आसान योग हस्त मुद्राओं का अभ्यास करके भी पूरा किया जा सकता है? कई ऐसी हस्त मुद्राएं हैं, जो न सिर्फ प्राकृतिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकती हैं बल्कि शरीर में लचीलापन भी ला सकती हैं। आइए आज आपको कुछ ऐसी हस्त मुद्राओं के अभ्यास का तरीका बताते हैं।

गणेश मुद्रा

सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन या फिर किसी आरामदायक मुद्रा में बैठ जाएं। अब दोनों हाथों को छाती के सामने लाकर हथेलियों को एक-दूसरे के ऊपर रखें। इसके बाद दोनों हथेलियों की उंगलियों को मोड़कर एक टाइट ग्रिप बनाएं, फिर हाथों की अवस्था को बदलें यानि जो हाथ ऊपर था उसे नीचे और नीचे वाले हाथ को ऊपर की ओर लाएं। हाथों के स्थान को 15 मिनट तक ऐसे ही बदलते रहें।

वरूण मुद्रा

वरूण मुद्रा के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की मुद्रा में बैठ जाएं और फिर अपने दोनों हाथों को इस तरह से घुटनों पर रखें कि हथेलियां आकाश की तरफ हों। इसके बाद अपनी कनिष्ठ उंगली को अपने अंगूठे की नोंक से मिलाएं और बाकि उंगलियों को सीधा रखें। अब अपनी दोनों आंखों को बंद करें और अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें। रोजाना 2० से 25 मिनट तक इस मुद्रा का अभ्यास करें।

प्राण मुद्रा

प्राण मुद्रा करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की मुद्रा में बैठें। अब अपने दोनों हाथों को अपने घुटनों पर रखें। इस दौरान हथेलियां आकाश की तरफ होनी चाहिए। इसके बाद अपने हाथों की सबसे छोटी उंगली और अनामिका उंगली को अंगूठे के नोक से छूएं। बाकी उंगलियों को सीधा रखें। फिर अपनी दोनों आंखों को बंद करें और इस मुद्रा में 2०-25 मिनट तक रहने की कोशिश करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों में करें इन स्वास्थ्यवर्धक जूस का सेवन

मौसम का मिजाज बदलने लगा है और गर्मियां जल्द ही दस्तक देने वाली है। ऐसे में मौसमी और ताजे फलों का जूस पीना बहुत स्वास्थ्यवर्धक और रिफ्रेशिंग होता है। हालांकि, अगर आप गर्मियों में खुद को हाइड्रेट और स्वस्थ रखना चाहते हैं तो मार्केट में मिलने वाले जूस की बजाय घर में ही कुछ स्वादिष्ट जूस बनाकर पिएं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जूस रेसिपी बताते हैं, जिनका गर्मियों में सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

संतरे और तुलसी का जूस

संतरे और तुलसी के मिश्रण से बनने वाला यह जूस न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देने में सक्षम है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दो से तीन संतरे छिल लें, फिर इन्हें एक जूसर में कुछ तुलसी की पत्तियों, शहद और बर्फ के टुकड़े के साथ ब्लेंड करें। इसके बाद इस जूस को छानकर गिलास में डालें, फिर इसका सेवन करें। आप चाहें तो इस जूस में नींबू का रस भी मिला सकते हैं। कीवी और खीरे का जूस

चुभनभरी गर्मी से बचाने में कीवी और खीरे के जूस का सेवन मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक खीरे और दो कीवी को धोकर छिलें, फिर इन्हें छोटे-छोटे टुकड़े में काटकर एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। अब एक जूसर में बर्फ के टुकड़े, ठंडा खीरा, ठंडी कीवी, थोड़ा पानी, एक चुटकी काली मिर्च, थोड़ा नमक और कद्दूकस किया हुए अदरक डालें और इस मिश्रण को पीसने के बाद गिलास में डालकर पिएं।

तरबूज और अदरक का जूस

तरबूज और अदरक का जूस बनाने के लिए सबसे पहले एक जूसर में तीन चौथाई गिलास तरबूज का रस, दो चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच कद्दूकस की हुई अदरक और चुटकी भर कुटी काली मिर्च डालकर अच्छे से ब्लेंड करें। अगर आपको ये कम मीठा लग रहा है तो आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं। अंत में इस जूस में बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर इसका सेवन करें।

मैंगो लाइम जूस

मैंगो लाइम जूस बनाने के लिए सबसे पहले दो कप कटे हुए आम को आधा कप नींबू के रस और एक कप ठंडे पानी के साथ मिक्सी में पीस लें। अब एक सॉस पैन में आधा कप चीनी और एक कप पानी को उबालें और जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसे आम वाले मिश्रण के साथ मिलाएं। इसके बाद इस तैयार मैंगो लाइम जूस को गिलास में भरे और इस पर कुछ पुदीने की पत्तियां डालकर इसे पिएं।

लव हॉस्टल में विक्रांत मैसी के एक्शन अवतार ने मचाया धमाल

अभिनेता विक्रांत मैसी लव हॉस्टल में पहली बार इतनी खतरनाक भूमिका में दिखाई दिए। इस फिल्म में विक्रांत मैसी, बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा मुख्य किरदार में है। इस फिल्म में अभिनेता ने आशु शौकीन का किरदार निभाया है। यह रोल काफी हटकर है। इसमें उन्हें मार-धाड़ करने का भी खूब मौका मिला है। ये फिल्म एक्शन से भरपूर है।

एक अलग भूमिका निभाने के बारे में विक्रांत ने कहा, मुझे लव हॉस्टल के साथ कुछ अलग करने का अवसर मिला जो मुझे वास्तव में पसंद है। मैंने मिर्जापुर की है, मैंने क्रिमिनल जस्टिस की है। लेकिन इस तरह की फिल्म नहीं की, जिसमें हर मोड़ पर एक नया एक्शन करने के मौका मिले। मेरे लिए लव हॉस्टल फिल्म की शूटिंग करना वास्तव में रोमांचक रहा।

वह आगे कहते हैं, इसने मुझे अपने आप को एक ऐसे स्थान पर स्थापित करने के लिए प्रेरित किया, जिसका मुझे हमेशा से शौक था, लेकिन इससे पहले मैंने पूरी तरह से इसकी खोज नहीं की थी। इसलिए मैंने इसे अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और अपने एक्शन सीन्स के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की और मुझे खुशी है कि लोगों ने इसे पसंद भी किया है।

विक्रांत अब सारा अली खान के साथ गैसलाइट और राधिका आप्टे के साथ फोरेंसिक में नजर आएंगे।

शब्द सामर्थ्य - 66

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

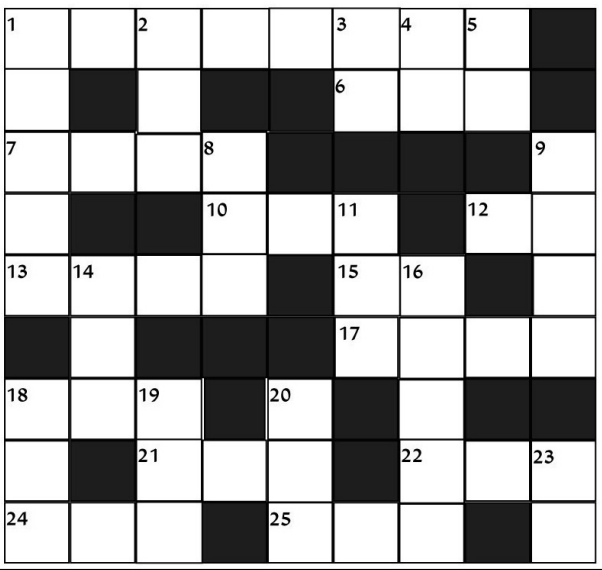

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

आठ लुक हुए रिजेक्ट, तब जाकर बच्चन पांडे के अवतार में आए अक्षय

अक्षय कुमार की बच्चन पांडे एक बहुप्रतीक्षित फिल्म है। फिल्म 18 मार्च को होली के मौके पर सिनेमाघरों में आएगी। जब से फिल्म का ट्रेलर आया है, अक्षय का अंदाज चर्चा में बना हुआ है। इसमें उन्होंने बच्चन पांडे नामक खूंखार अपराधी का रोल किया है। फिल्म से उनका लुक दर्शकों को पसंद आ रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि पहले आठ लुक रिजेक्ट हुए, तब जाकर अक्षय फिल्म में बच्चन पांडे बन पाए।

रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चन पांडे के मेकर्स ने फिल्म में अक्षय के लुक को अंतिम रूप देने से पहले आठ अलग-अलग लुक ट्राय किए। एक सूत्र ने कहा, अक्षय और साजिद नाडियाडवाला बच्चन पांडे के लुक के लिए कुछ अलग करने की कोशिश में लगे थे। इसलिए वे अपनी क्रिएटिव टीम के साथ विचार-मंथन करने के लिए बैठे, ताकि कैरेक्टर के लुक को अपनी कल्पनाओं से वास्तविकता में बदला जा सके।

खबरों की मानें तो खलनायक बच्चन पांडे के लुक के लिए मेकर्स को यूनिक लुक की तलाश थी। काफी विचार-विमर्श के बाद फिल्म में अक्षय का लुक फाइनल हुआ। अक्षय की नकली आंखें, चेहरे पर निशान, माथे पर पगड़ी, दाढ़ी और मूंछ अभिनेता के कैरेक्टर को न्यायसंगत ठहराता है। यहां तक कि सोशल मीडिया पर फैंस उनके लुक की कॉपी कर रहे हैं। कई सेलिब्रिटीज ने भी अक्षय के लुक की तारीफ की है।

बच्चन पांडे को साजिद प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान फरहाद सामजी ने संभाली है। अक्षय इस फिल्म में उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले गैंगस्टर बच्चन पांडे के रोल में नजर आएंगे, जो एक्टर बनना चाहता है। इस फिल्म में अक्षय के अलावा कृति सैनन, अरशद वारसी, पंकज त्रिपाठी, संजय मिश्रा और जैकलीन फर्नांडिस मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह तमिल फिल्म जिगरथंडा की हिन्दी रीमेक है।

अक्षय फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य भूमिका में हैं। यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जो सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म 3 जून को पर्दे पर आएगी। उन्हें फिल्म राम सेतु में भी देखा जाएगा। वह फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगे। ओह माय गॉड 2, रक्षाबंधन, सेल्फी और राउडी राठौर 2 जैसी फिल्में भी अक्षय अपना जलवा बिखेरने वाले हैं।

साजिद ने कई बड़ी फिल्मों के निर्देशन और प्रोडक्शन का काम संभाला है। इसमें हाउसफुल, बागी और किक जैसी कई फिल्में शामिल हैं। उन्होंने ब्लॉकबस्टर मराठी फिल्म लय भारी की कहानी भी लिखी। साजिद की फिल्म हीरोपंती 2 भी आने वाली है।

सालार में हुई पृथ्वीराज सुकुमारन की एंट्री

बाहुबली और साहो सरीखी फिल्में देने वाले अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी आगामी प्रदर्शित होने वाली फिल्म राधेश्याम के प्रमोशन में व्यस्त हैं। राधाकृष्ण कुमार के निर्देशन में बनी उनकी यह फिल्म आगामी शुक्रवार 11 मार्च को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। यह उनकी 4थी पैन इंडिया फिल्म है इससे पहले वे बाहुबली, बाहुबली-2 और साहो में नजर आ चुके हैं। राधेश्याम के साथ-साथ प्रभास इन दिनों केजीएफ के निर्देशक प्रशांत नील की सालार को लेकर भी चर्चाओं में है। इस फिल्म के बारे में अभी से कहा जा रहा है कि यह निर्देशक प्रशांत नील की एक और केजीएफ साबित होगी।

सालार को लेकर गलियारों में बहती हवाओं ने एक और समाचार दिया है। बहती हवाओं का कहना है कि प्रशांत नील ने अपनी इस मेगा बजट फिल्म में मलयालय फिल्मों के सुप्रसिद्ध अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन को भी शामिल कर लिया है। पृथ्वीराज दक्षिण भारतीय फिल्मों के बड़े अभिनेता होने के साथ-साथ निर्माता और वितरक के तौर पर भी ख्यातनाम हैं। उन्होंने ब्रो डैडी, लुसिफर और अय्यपनम कोशियम जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी है। गौरतलब है कि पृथ्वीराज सुकुमारन निर्देशक प्रशांत नील की बहुचर्चित और बहुप्रशंसित फिल्म केजीएफ के दक्षिण भारतीय संस्करण के वितरक भी हैं। पिछले दिनों पृथ्वीराज सुकुमारन ने इस फिल्म को देखने के बाद इसकी तारीफों में कशीदे पढ़े थे। उन्होंने कहा था कि फिल्म देखने के बाद उनका दिमाग ही घूम गया था।

हालांकि अभी तक इन रिपोर्ट्स की आधिकारिक जानकारी नहीं है। मगर चर्चाओं का बाजार गरम है जिसके अनुसार फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन का प्रवेश हो चुका है। प्रभास के अपोजिट इस फिल्म में नायिका के तौर पर श्रुति हासन नजर आएंगी। श्रुति हासन पिछले दिनों अपनी फिल्मों क्रैक और वकील साब को लेकर खासी चर्चाओं में रह चुकी हैं। इन दिनों श्रुति हासन की चर्चा पवन कल्याण की अगली फिल्म गब्बर सिंह-3 को लेकर भी हो रही है। कहा जा रहा है कि पवन कल्याण भीमला नायक की सफलता से प्रेरित होकर अब अपनी इस सीरीज का 3रा भाग बनाने जा रहे हैं। इधर, सालार में खलनायक के किरदार में दक्षिण के जाने माने सितारे जगपति बाबू दिखने वाले हैं। जिनका जबरदस्त फर्स्ट लुक पोस्टर मेकर्स ने पहले ही जारी कर दिया है। जगपति बाबू के इस लुक की सोशल मीडिया पर खासा चर्चा हुई थी।(आरएनएस)

थलापति 66 में हुई रश्मिका मंदाना की एंट्री

पैन इंडिया के तौर मास्टर सरीखी फिल्म देने वाले दक्षिण भारत के सुपर सितारों में शामिल विजय थलापति इन दिनों अपनी फिल्म बीस्ट को लेकर चर्चाओं में हैं जो आगामी 14 अप्रैल को बॉक्स ऑफिस पर दक्षिण भारत की ही एक और बिग बजट फिल्म केजीएफ-2 से टकराव लेने को तैयार है। इस टकराव के साथ-साथ ही सभी की निगाहें थलापति विजय की निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ आने वाली फिल्म पर हैं। थलापति 66 शीर्षक से फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर दिल राजू और शिरीष द्वारा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुष्पा गर्ल रश्मिका मंदाना को अनटाइटल्ड फिल्म में थलापति विजय के साथ रोमांस करने के लिए चुना गया है। हालांकि अभी इस पर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

रश्मिका मंदाना अल्लू अर्जुन-स्टारर पुष्पाद्द राइज की सफलता से चर्चाओं में हैं। इस वक्त रश्मिका मंदाना की कई फिल्में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। अब, ऐसा लग रहा है कि रश्मिका मंदाना के पास एक और बड़ी फिल्म और भूमिका आ गई है। अगर रिपोर्ट्स की मानें तो रश्मिका मंदाना को थलापति 66 में महिला प्रधान भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। अभिनेत्री इस फिल्म में पहली बार थलापति विजय के साथ रोमांस करेंगी। वामशी पेडिपल्ली और निर्माता दिल राजू रश्मिका मंदाना को पुष्पा में देखने के बाद खासे प्रभावित थे और इसी के चलते उन्होंने विजय के साथ उसे बोर्ड में लाने का फैसला किया। कहा जा रहा है कि जल्द ही इस बात की एक आधिकारिक घोषणा की जाएगी। थलापति 66 के मार्च में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। निर्माता दिल राजू ने खुलासा किया कि फिल्म दीवाली 2022 या संक्रांति 2023 पर रिलीज होगी। फिल्म में देश भर के शीर्ष अभिनेता और तकनीशियन शामिल होंगे। दिल राजू ने कहा, वामशी एक सुंदर कहानी के साथ आए हैं। जब मैंने इसे सुना, तो मुझे यह पसंद आयी। विजय ने कहानी सुनी और कहा कि उन्होंने पिछले 20 साल में इस तरह की कहानी नहीं सुनी है। जब कोई स्टार ऐसा कहता है, तो यह आपको आत्मविश्वास देता है। फिल्म की शूटिंग मार्च में शुरू होगी। अगर कोविड -19 के कारण कोई देरी नहीं हुई, तो फिल्म दीवाली पर रिलीज होगी। अगर यह दिवाली तक तैयार नहीं हो पाती है तो इसे 2023 संक्रान्ति पर प्रदर्शित किया जाएगा। थलापति 66 संयुक्त रूप से श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के दिल राजू और शिरीष द्वारा निर्मित है।

इंटरनेशनल आर्ट मशीन ने प्रीति जिंटा, दिबाकर बनर्जी के साथ किया करार

वैश्विक मनोरंजन स्टूडियो, इंटरनेशनल आर्ट मशीन (आईएएम) ने प्रीति जिंटा और दिबाकर बनर्जी के साथ करार किया है, जो कि मशहूर निर्देशक शेखर कपूर द्वारा अभिनीत द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा के साथ अपनी शुरूआत करने के बाद सामग्री को रोल आउट करने के लिए तैयार है, प्रीति जिंटा माधुरी दीक्षित, रवीना टंडन और सुष्मिता सेन जैसे सितारों की बढ़ती लाइन-अप में शामिल हो गई हैं, जो ओटीटी प्लेटफार्मों के माध्यम से शोबिज में कमबैक कर रही हैं। उनकी कमबैक थ्रिलर सीरीज, द किट्टी पार्टी है।

प्रीति ने वैराइटी से कहा कि द किट्टी पार्टी एक महिला-चालित मर्डर मिस्ट्री है। उन्होंने कहा कि अभी और अधिक टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी, सिवाय इसके कि हम इस पर काम शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। जिंटा ने दिल से, वीर जारा और कल हो ना हो जैसी यादगार फिल्में दी हैं, साथ ही वह आईपीएल टीम, पंजाब किंग्स की सह-मालिक भी हैं। वहीं दिबाकर बनर्जी का राजनीतिक नाटक गॉड्स है। वह खोसला का घोसला, ओए लकी, शंघाई और डिटेक्टिव ब्योमकेश बख्शी, नेटफ्लिक्स सीरीज लस्ट स्टोरीज के लिए जाने जाते हैं।

बनर्जी ने वैराइटी से कहा कि गॉड्स एक भारतीय कहानी है यह 80 और 90 के दशक के महान भारतीय परिवार पर केंद्रित है।

वैराइटी के अनुसार, इंटरनेशनल आर्ट मशीन, अमेजॅन स्टूडियो के पूर्व अध्यक्ष रॉय प्राइस के नेतृत्व में है, जिन्होंने यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद 2017 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

आमिर के साथ फिल्म लेकर आने वाले हैं नागराज मंजुले

निर्देशक नागराज मंजुले इन दिनों खूब चर्चा में हैं। दरअसल, हाल ही में उनकी फिल्म झुंड रिलीज हुई है, जिसे चारों ओर से खूब सराहना मिली रही है। दूसरी तरफ फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे अमिताभ बच्चन भी अपने अभिनय को लेकर मिली तारीफों से गदगद हैं। खैर, अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक मंजुले के प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, अब वह आमिर खान के साथ पारी खेलने वाले हैं।

नागराज मंजुले ने कहा, आमिर मेरी पहली ही फिल्म से मेरे काम को पसंद कर रहे हैं। वह शुरुआत से ही मेरे प्रशंसक रहे हैं। मेरी फिल्मों की तारीफ करते रहे हैं। आमिर ने मेरी फिल्म फैंड्री देखने की भी इच्छा जाहिर की थी। हमने साथ में यह फिल्म देखी थी। उन्होंने कहा, मुझे तो विश्वास नहीं हो रहा था। उनका दिल बहुत बड़ा है। वह नए निर्देशकों को बुलाते हैं, उनकी फिल्में देखते हैं और उनकी सराहना करते हैं।

मंजुले ने कहा, आमिर ने झुंड रिलीज से पहले ही देख ली थी। उनकी आंखों में आंसू थे। उन्होंने इसके लिए निर्माताओं के साथ-साथ मेरे साथ भी वक्त बिताया। मैं जब भी कुछ नया बनाता हूं, सबसे पहले आमिर को ही फोन करता हूं। उन्होंने कहा, मैं आमिर से फिल्म के विषय पर चर्चा करता हूं। वह मुझे अपने सुझाव देते हैं। उनकी हर बात को मैं बड़ी गहराई से सुनता और समझता हूं। उनकी राय मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मंजुले ने कहा, आमिर ने झुंड में एक अहम भूमिका निभाई है। इसे बनाने के पीछे उनका बड़ा हाथ है। उन्होंने हमारी काफी मदद की। आमिर ने फिल्म में काम कर रहे बच्चों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, झुंड के लिए, उन्होंने बहुत समय निकाला, फिल्म को देखा, और पूरी रात इस पर हमारे साथ चर्चा की। मैं जिस तरह से फिल्में बनाता हूं, आमिर वो देखकर हैरान थे। हम दोनों ही एक-दूसरे के काम को पसंद करते हैं। मंजुले ने कहा, मैं फैंड्री के बाद से ही आमिर के साथ काम करने का मौका तलाश रहा हूं। हालांकि, मैं एक अच्छी कहानी की तलाश में हूं। मैं बस आमिर के साथ काम करने के लिए फिल्म नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, उनके साथ मेरी कुछ विषयों को लेकर बातचीत चल रही है। आमिर खुद मेरे साथ काम करने को बेचैन हैं। वह मेरे पीछे पड़े हैं कि मैं उनके लिए फिल्म बनाऊं। जल्द ही हम कुछ लेकर आएंगे।

नागराज की 2016 में आई मराठी फिल्म सैराट राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी है। फिल्म पिस्तुल्या के लिए नागराज को राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। 2013 में फिल्म फैंड्री के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड, इंदिरा गांधी अवॉर्ड और बेस्ट फिल्म के पुरस्कार से नवाजा गया था। आमिर पिछली बार 2018 में फिल्म ठग्स ऑफ हिन्दुस्तान में नजर आए थे। अब वह फिल्म लाल सिंह चड्ढा से रुपहले पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। यह हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में उनके साथ करीना कपूर खान, मोना सिंह और साउथ के स्टार नागा चैतन्य नजर आएंगे। नागा इसी फिल्म से बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। लाल सिंह चड्ढा 11 अगस्त, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भारत को मोटे अनाजों का वैश्विक हब बनाना

डॉ.के.सी.गुम्मागोलमथ

ज्यादातर वर्षा सिंचित भूमि में उगाए जाने वाले मोटे अनाजों को जलवायु-अनुकूल स्मार्ट फसल कहा जा सकता है। भारत में इन फसलों की खेती विशेष रूप से अर्ध-शुष्क जलवायु की परिस्थितियों वाले क्षेत्रों तक सीमित है। ये फसलें तापमान, नमी और विभिन्न इनपुट परिस्थितियों के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकतीं हैं एवं शुष्क भूमि के लाखों किसानों को भोजन की आपूर्ति करने के साथ पशुओं को चारा भी प्रदान करतीं हैं। औद्योगिक देशों में इनका उपयोग पीने योग्य अल्कोहल और स्टार्च उत्पादन के एक महत्वपूर्ण कच्चे माल के रूप में भी किया जाता है।

भारतीय उपमहाद्वीप में, मोटे अनाजों को पोषक तत्वों के भंडार के रूप में एक उत्कृष्ट अनाज माना जाता है। मोटे अनाजों की सभी किस्मों में उच्च एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, ये ग्लूटेन-मुक्त होते हैं तथा इनसे एलर्जी भी नहीं होती है। परिणामस्वरूप, उपभोक्ता-मांग और आहार-पैटर्न में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है और हाल के दिनों में इन मोटे अनाजों के लिए बाजार की संभावना भी बन रही है। उपभोक्ताओं के बीच बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के कारण मूल्य वर्धित उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

भारत में मोटे अनाजों की खेती मुख्य रूप से कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में की जाती है। राजस्थान (बाजरा क्षेत्र का 87 प्रतिशत), महाराष्ट्र (ज्वार क्षेत्र का 75 प्रतिशत) और कर्नाटक (रागी क्षेत्र का 54 प्रतिशत और बाजरा क्षेत्र का 32 प्रतिशत)।

एफएओ के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में, मोटे अनाजों की खेती का क्षेत्रफल औसतन 1०8 लाख हेक्टेयर है और 2००० तथा 2०19 के बीच इसमें 27 लाख हेक्टेयर की कमी आने की जानकारी मिली है। विश्लेषण से पता चलता है कि मोटे अनाजों के क्षेत्रफल में 2००० से 2०19 के बीच 2.25 प्रतिशत की दर से कमी दर्ज की गयी है, जबकि उत्पादन में वृद्धि केवल ०.०8 प्रतिशत रही है। हालांकि, उत्पादकता 2.38 प्रतिशत सकारात्मक सीएजीआर दर्शाती है।

विश्व स्तर पर मोटे अनाजों का बाजार 2०19 में 9 बिलियन डॉलर था और इसके 12.5 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत सबसे बड़ा उपभोक्ता है और वैश्विक मांग में 38 प्रतिशत हिस्से का योगदान देता है। भारत और विश्व स्तर पर कोविड-19 महामारी के दौरान पोषक तत्वों से युक्त भोजन की मांग में वृद्धि के कारण मोटे अनाजों और मोटे अनाजों के उत्पादों को बढ़ावा मिला है।

मोटे अनाजों का निर्यात किए जाने वाले प्रमुख देशों में नेपाल, सऊदी अरब, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, ट्यूनीशिया, श्रीलंका, यमन गणराज्य, लीबिया, नामीबिया और मोरक्को हैं। डीजीसीआईएस के अनुसार, वर्ष 2०19-2० में भारत से 8 लाख मीट्रिक टन मोटे अनाजों का निर्यात किया गया था, जिनकी कीमत 2०5.2 करोड़ रुपये (28.75 मिलियन डॉलर) थी।

मोटे अनाजों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता रहती है, जो मुख्यत: आपूर्ति की मात्रा से निर्धारित होती हैं और आमतौर पर अन्य प्रमुख फसलों की कीमतों से अप्रभावित रहती हैं। हालांकि, वैकल्पिक मूल्य श्रृंखला के विकास के साथ कीमतों में स्थिरता प्राप्त की जा सकती है।

नीति को प्रोत्साहन और कार्य योजना

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने; 2०23 को अंतर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष के रूप में घोषित करने के लिए बांग्लादेश, केन्या, नेपाल, नाइजीरिया, रूस और सेनेगल के साथ भारत द्वारा प्रस्तुत किए गए एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इस पृष्ठभूमि में, मोटे अनाज के निर्यात में दुनिया का अग्रणी देश बनने के लिए भारत द्वारा एक कार्य योजना शुरू किये जाने की आवश्यकता है। इस कार्य योजना में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है:

1. मोटे अनाजों की उत्पादन प्रणालियों में अंतिम उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करना और इसे लागत-प्रभावी बनाना।

2. कृषि-पारिस्थितिकी की विभिन्न श्रृंखलाओं के तहत मोटे अनाजों की खेती को अत्यधिक लाभप्रद बनाना।

3. मोटे अनाजों को पोषण-युक्त भोजन के रूप में प्रोत्साहन देना; पीने योग्य और औद्योगिक अल्कोहल, स्टार्च आदि के उत्पादन के लिए इन्हें कच्चे माल के रूप में बढ़ावा देना तथा मोटे अनाजों के डंठल सहित अन्य उत्पादों का प्रचार-प्रसार करना।

4. कुशल मूल्य श्रृंखला के लिए उत्पादन-क्षेत्र के आसपास प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना करना। एफपीओ द्वारा दी गयी सुविधा से संचालित व समुदाय के स्वामित्व वाली प्रसंस्करण इकाइयों को बड़े पैमाने का लाभ मिल सकता है।

5. पोषण संबंधी लाभों के बारे में उपभोक्ता की जागरूकता को बढ़ाने के लिए; कॉरपोरेट और स्टार्ट-अप, खाद्य गुणवत्ता/सुरक्षा मानकों एवं बेहतर ब्रांडिंग के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को सहायता प्रदान कर सकते हैं।

हाल ही में संशोधित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन परिचालन दिशानिर्देशों (एनएफएसएम) के माध्यम से, भारत सरकार ने मोटे अनाजों के लिए महत्वपूर्ण 14 राज्यों के 212 जिलों पर ध्यान केंद्रित किया है, ताकि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन/वितरण, क्षेत्र-स्तर पर प्रदर्शन, प्रशिक्षण, प्राथमिक प्रसंस्करण क्लस्टर और अनुसंधान सहायता के लिए प्रोत्साहन दिया जा सके।

कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) ने मोटे अनाजों के उद्यमियों, अनाजों के प्राथमिक प्रसंस्करण और एफपीओ को मशीनरी उपलब्ध कराने आदि के लिए निवेश को बढ़ावा दिया है। एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल के तहत मोटे अनाजों के लिए 27 जिलों की पहचान की गयी है, जिन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। भारत में लगभग 8० एफपीओ हैं, जो ज्वार और मोटे अनाजों का उत्पादन कर रहे हैं। एफपीओ किसानों को एकत्रित करने और उनकी उपज का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए एक सक्षम संस्था के रूप में कार्य कर सकते हैं।

मोटे अनाजों और इनके उत्पादों के निर्यात में वृद्धि की संभावना और पोषण-अनाज के रूप में मोटे अनाज क्षेत्र के विकास पर सरकार के विशेष जोर को ध्यान में रखते हुए, एपीडा आईसीएआर-आईआईएमआर एवं राष्ट्रीय पोषण संस्थान, सीएसआईआर-सीएफटीआरआई, एफपीओ जैसे अन्य हितधारकों के साथ एक रणनीति तैयार कर रहा है, ताकि मोटे अनाजों और मोटे अनाजों के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पांच साल की एक भावी कार्य-योजना को अंतिम रूप दिया जा सके। निर्यात अवसंरचना विकास, गुणवत्ता विकास और बाजार विकास पर आधारित योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की जा सकती है। मोटे अनाजों की उपयोग-अवधि (शेल्फ लाइफ) बढ़ाने, उत्पादन में वृद्धि करने, पैकेजिंग लाइन को आधुनिक बनाने, प्रयोगशाला उपकरण और नमूनों के परीक्षण जैसी कमियों को दूर करने आदि के लिए; एपीडा प्रसंस्करण सुविधाओं में सहायता प्रदान करेगा।

केंद्रीय बजट प्रस्तुति के दौरान, वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि 2०23 को अंतर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। फसल कटाई के बाद मूल्यवर्धन, घरेलू खपत बढ़ाने और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोटे अनाजों की ब्रांडिंग के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

कर्नाटक, इन सुपर फूड्स के उत्पादन में विविधता लाने और बढ़ावा देने के लिए 2०17 से रायथा सिरी योजना के तहत ?1०,००० रुपये प्रति हेक्टेयर का प्रोत्साहन (2 हेक्टेयर तक सीमित) दे रहा है। अन्य राज्य, इस योजना का अनुसरण कर सकते हैं।

सू- दोकू क्र. 66

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

आक्रोश का प्रतिघात

अमृतसर में सीमा सुरक्षा बल के एक शिविर में एक जवान द्वारा चार साथियों की हत्या के बाद आत्महत्या करने की घटना विचलित करती है। इससे पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीएसएफ के एक जवान ने अपने साथी की हत्या करने के बाद खुद को गोली मार ली थी। इसी तरह बीते साल छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सीआरपीएफ के चार जवानों की एक जवान ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। ये तमाम घटनाएं न केवल हमें परेशान करती हैं बल्कि अर्द्धसैनिक बलों के जवानों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने की जरूरत बताती हैं। दरअसल, नये जमाने के पढ़े-लिखे जवान अपनी कार्य परिस्थितियों से सामंजस्य स्थापित नहीं कर पा रहे हैं। वे तनाव, अवसाद व मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों से संयत ढंग से नहीं निबट पा रहे हैं। ऐसे में इस समस्या से निजात के लिये उठाये गये कदमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन भी जरूरी हो जाता है। दरअसल, वर्ष 2०21 में घटी घटना के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स ने संगठन के अधिकारियों को सलाह दी है कि जवानों के मानसिक तनाव की संवेदनशील ढंग से निगरानी की जाये। गंभीर चुनौती यह है कि सीआरपीएफ में सहकर्मियों के घात के 13 मामलों में वर्ष 2०18 के बाद कम से कम 18 जवानों की जान जा चुकी है। दरअसल, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजिकल रिसर्च ने जवानों के मध्य पैदा होने वाले तनाव के कारकों का पता लगाने के लिये कई अध्ययन किये हैं। उसने इस समस्या के निदान के लिये कई सिफारिशें पेश भी कीं जिसमें जवानों को दी जाने वाली छुट्टी की प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाने, काम के दबाव को कम करने, एक जगह तैनाती के कार्यकाल में कमी, वेतन-भत्तों व रहने की स्थिति में सुधार, अधिकारियों व जवानों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने, तनाव प्रबंधन तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की जरूरत पर बल दिया गया।

भविष्य में इस तरह की आत्मघात-प्रतिघात की घटनाओं में वृद्धि न हो, जवानों के मध्य मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ाने पर भी बल दिया गया। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने योग व ध्यान की कक्षाएं लगाने पर बल दिया है। जवानों के कल्याण से जुड़ी बैठकों का निरंतर आयोजन तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मामलों के निपटारे के लिये जवानों हेतु हेल्पलाइन शुरू करने को कहा गया । कुल मिलाकर अर्द्धसैनिक बलों के लिये ऐसा स्वस्थ वातावरण बनाने पर बल दिया गया कि जिसमें वे तनावमुक्त होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। हालांकि, इन उपायों के अनुपालन पर लगातार बल दिया जाता रहा है लेकिन इस बात का मूल्यांकन जरूरी हो जाता है कि जमीन पर ये उपाय कितने प्रभावी हैं। निस्संदेह, जिन कठिन परिस्थितियों में ये जवान काम करते हैं, विभागीय जटिलताएं इन्हें हताश करती हैं। यदि हम समस्या का समय रहते मनोवैज्ञानिक उपाय करें, तो इस तरह की हिंसा की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सकता है। साथ ही वे विषम परिस्थितियों में भी उत्साहपूर्वक अपनी ड्यूटी को अंजाम दे सकते हैं। दरअसल, जवानों की समस्या को संवेदनशील ढंग से सुना जाना चाहिए। बातचीत के जरिये तनाव कम करें। जो अधिकारी अपने अधीनस्थों के उत्पीड़न व रूखा व्यवहार करने में लिप्त रहते हैं, उन्हें सुधरने के लिये कड़ी चेतावनी दी जानी चाहिए। यदि वे इस दिशा में ठोस पहल नहीं करते तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। अनुकरणीय कार्रवाई समस्या के निवारक के रूप में कार्य करेगी। तभी सभी स्तरों पर जवान व अधिकारी सामंजस्य के साथ काम करेंगे। सेवानिवृत्त पैरामिलिट्री बल कल्याण संगठन के अनुसार पिछले एक दशक में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों में इक्कासी हजार जवानों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। वहीं वर्ष 2०11-2० के बीच करीब सोलह हजार जवानों ने अपनी नौकरी से त्यागपत्र दिया। जाहिर है जटिल इलाकों में तैनाती, परिवार से दूरी, समय पर अवकाश न मिलना, अधिकारियों का सख्त व्यवहार, आपदाओं में तैनाती से जवान लगातार शारीरिक- मानसिक रूप से थक जाते हैं। इन समस्याओं के समाधान से ही जवानों की हिंसक प्रतिक्रिया पर लगाम लगायी जा सकती है।(आरएनएस)

कार्यकर्ताओं के साथ 'कश्मीर फाइल्स' देखने पहुंचे मसूरी विधायक जोशी

देहरादून (सं)। विधायक गणेश जोशी अपनी पत्नी व कार्यकर्ताओं के साथ फिल्म कश्मीर फाइल्स देखने पहुचे। आज यहां निवर्तमान सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी अपने समर्थकों तथा कार्यकर्ताओं के साथ राजपुर रोड स्थित मल्टीप्लेक्स में विवेक अग्निहोत्री निर्देशित फीचर फिल्म, 'द कश्मीर फाइल्स' देखने पहुंचे। इस अवसर पर गणेश जोशी ने बताया कि यह फिल्म कश्मीर की त्रासदी को बयाँ करती है। कश्मीरी पंडितो के दर्द को इस फिल्म में दिखाया गया है। जोशी ने बताया कि हमने अपने कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों को फिल्म दिखाने की व्यवस्था की थी। मल्टीप्लेक्स प्रबंधन ने दो ऑडी की टिकिट हमारे कार्यकताओं हेतु उपलब्ध करवाई। कश्मीरी पंडितों द्वारा अलगाववादियों के जो जुल्म और दरिंदगी झेली है उसे पर्दे पर देख कर मन सिहर उठता है। उन्होंने कहा कि सभी को यह फिल्म देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं प्रयास करूंगा कि इस फिल्म को अपने सभी कार्यकर्ताओं को दिखाने की व्यवस्था करुं। उन्होंने राज्य में इस फिल्म को मनोरंजन कर में छूट दिए जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। इस अवसर पर उनकी ध र्मपत्नी निर्मला जोशी, मंडल अध्यक्ष पूनम नौटियाल, राजीव गुरुंग, दीपक पुण्डीर, शमसेर सिंह पुंडीर, वीर सिंह, निरंजन डोभाल आदि उपस्थित रहे।

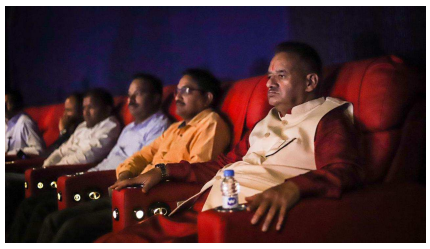

सड़क हादसे में कार सवार पांच घायल

हमारे संवाददाता

पौड़ी गढ़वाल। सड़क हादसें में कार सवार पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार यह सड़क हादसा पौड़ी कोटद्वार हाईवे पर हुआ है। जहां एक कार अनियंत्रित होकर बीच सड़क में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। बताया जा रहा है कार में पांच लोग सवार थे। जो सभी गम्भीर रूप से घायल हुए है। सड़क हादसे में घायल हुए लोगों को स्थानीय लोगों द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

हरीश के खिलाफ झूठी बयानबाजी करने वालों को पार्टी से बाहर करने की मांग

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री मनीष कुमार ने कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल से यह मांग करी है कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत के विरुद्ध कुछ पार्टी के लोगों द्वारा की जा रही अनर्गल, झूठी व मनगढ़ंत बयान बाजी करने वालों को तत्काल पार्टी से बाहर निकाला जाए।

उन्होने कहा कि यह लोग केवल सस्ती लोकप्रियता पाने के चक्कर में कांग्रेस के ऐसे स्तंभ के विरुद्ध बयान बाजी कर रहे हैं जिसने आज तक कांग्रेस को अपने खून पसीने से सींचा और कई बार कांग्रेस की सरकार प्रदेश में इन्हीं के नेतृत्व में आई। कहा कि ऐसे लोग न केवल पार्टी की छवि धूमिल कर रहे हैं बल्कि हरीश रावत के राजनीतिक जीवन को भी खराब करने का प्रयास करने में लगे हुए हैं ऐसे लोगों को तत्काल कांग्रेस पार्टी से निष्कासित किया जाए। हरीश रावत कल भी पार्टी के सर्वमान्य नेता थे और आज भी सर्वमान्य नेता है वह प्रदेश के लाखों लोगों के दिलों में बसते हैं।

रिकवरी एजेंट बनाम गुण्डे ?

संवाददाता

देहरादून। प्राइवेट बैंको व फाइनेंन्स कम्पनियों द्वारा अपने पैसे को वापस लेने के लिए गली-गली में रिकवरी एजेंसियां खुलवा रखी है तथा उनके यह रिकवरी एजेंट लोगों को डरा, धमकाकर पैसा वसूलते हैं जोकि पूरी तरह से गैर कानूनी है लेकिन पुलिस विभाग इनकी तरफ से आंखे मूंदे बैठा है। जिससे साफ होता है कि किसी ना किसी तरह इनको पुलिस विभाग की मौन स्वीकृति मिली हुई है।

गौरतलब है कि आज के समय कोई सामान खरीदना हो तो उसे खरीदने के लिए कम्पनियां किस्तों में फाइनेन्स उपलब्ध कराती हैं। यह लोगों को आसान लगता है, लेकिन जब उसकी किश्त दी जाती है तो वही सामान कई गुना महंगा लगता है। तब आदमी सोचता है कि वह फाइनेन्स के चक्कर में बेकार पडा था लेकिन तब तक समय निकल चुका होता है। अब यहां पर आगमन होता है रिकवरी एजेंटों का। यह रिकवरी एजेंट पैसों की वसूली के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इनको किसी तरह का कोई डर नहीं होता है। यह आम आदमी के यहां जाकर उसको धमकाने डराने व मारपीट करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। इनको पुलिस प्रशासन का भी कोई डर नहीं रहता है। यह रिकवरी एजेंट पूरी तरह से गुण्डागर्दी पर उतारू हो जाते हैं। यह लोगों के घर में जाकर बैठ जाते है उनको डराते हैं कि पैसा लेकर आओ तभी वह वहां से जायेंगे। तब शरीफ आदमी अपनी इज्जत के डर से इनके सामने झुक जाता है और यह जैसा कहते हैं उसको करना पडता है। यहां यह भी साफ कर दें कि अगर किश्त जमा नहीं की तो यह सामान उठाकर भी चल देते हैं उस समय भी इनको इस बात का खौफ नहीं होता कि उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हो सकता है। क्योंकि यह सब पूर्व ही तय हो जाता है तथा सम्बन्धि त थाना चौकी पुलिस के संज्ञान में रखकर किया जाता है। इनका एक रेट फिक्स है। अगर किसी का दुपहिया वाहन उठाते है तो उसका पांच सौ रूपया व कार आदि उइाने का एक हजार से दो हजार रूपये का रेट फिक्स है।

इनकी (रिकवरी एजेंट) भाषा में इसको 'इंजीमेशन' कहा जाता है। यह गाडी का नम्बर, मालिक का नाम आदि एक फार्म में भरकर सम्बन्धित थाना चौकी के मुंशी से उसपर मोहर लगवा लेते हैं और जब गाडी उठाने जाते हैं तो गाडी मालिक को वह फार्म दिखाकर उसको बताया जाता है कि वह पुलिस को बताकर ही गाडी उठाने आये है। जिससे सम्बन्धित वाहन स्वामी डर जाता है और इनके सामने कुछ नहीं कहता। वह सारी किश्त जमा कराने के बाद एक तीन चार किश्त जमा ना करा पाने पर अपने वाहन या सामान से हाथ धो बैठता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता दीपक कुमार का कहना है कि यह रिकवरी पूरी तरह से गैर कानूनी होती है। क्योंकि न्यायालय में जाने के लिए इनको कई नियमों का पालन करना पडेगा जिसको पूरा करने में इनको समय लगता है इसीलिए यह इस गैर कानूनी तरह से इस काम को करते हैं और पुलिस कर्मी द्वारा भी इनके फार्म पर मोहर लगाना भी गैर कानूनी है।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन

संवाददाता

देहरादून। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का महाआरती के साथ समापन हुआ।

आज यहां विख्यात कथा व्यास आचार्य शिवप्रसाद ममगाई के स्वर्गीय पिता ईश्वरी दत्त मंमगाई की वार्षिक तिथि पर डोभालवाला देहरादून में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ में अंतिम दिवस कथावाचक आचार्य तुलसी राम पैन्यूली ने कथा का महात्म्य बता कथा का विश्राम किया। आज की कथा में देहरादून महानगर कॉग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ,अरुण कुमार शर्मा व प्रदेश के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में लालचन्द शर्मा ने कहा की श्रीमद्भागवत सब कष्टो का हरण कर मोक्ष के मार्ग पर ले जाने वाली अमृत कथा है । वह माता पिता धन्य है जिनके बच्चे उनके मोक्ष व कल्याण के लिए इस दिव्य कथा का आयोजन कर अपने पितरों को परमपिता के अक्षयधाम में उनके चरणों मे समाहित करते है। पूर्ण आहुति व महाआरती के बाद सात दिवसीय कथा पूर्ण हुई भंडारा प्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

लघु व्यापार एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में पुल जटवाड़ा अर्तगत प्रस्तावित वेंडिंग जोन के प्रांगण में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के माध्यम से लघु व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि पूर्व के प्रस्तावित चिन्हित पुल जटवाड़ा वेंडिंग जोन की बुकिंग प्रक्रिया शुरू करा कर पंजीकृत सभी लघु व्यापारियों को समाहित कर स्मार्ट वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जाए। बैठक में यह भी तय किया गया 21 मार्च को सामूहिक रूप से सभी प्रस्तावित वेंडिंग जोन के लघु व्यापारी उत्तराखंड राज्य फेरी नीति नियमावली के क्रियान्वयन की मांग को दोहराते हुए नगर आयुक्त के कार्यालय का घेराव करेंगे।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा नगर निगम प्रशासन द्वारा राज्य फेरी

नीति नियमावली के नियम अनुसार अभी मात्र एक ही वेंडिंग जोन विकसित किया गया है जोकि चंडी चौराहे के समीप है अन्य तीन वेंडिंग जोन के स्थापन की कार्यवाही को लेकर सर्वे प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण अन्य दो वेंडिंग जोन विकसित नहीं किए जा सके हैं। अब नई सरकार के गठन के साथ सभी वेंडिंग जोन बनने की उम्मीद बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा वर्ष 2018 में नगर निगम प्रशासन की निगरानी में पूरे नगर निगम क्षेत्र के 2555 स्ट्रीट वेंडर्स का सर्वे कर परिचय पत्र वितरित किए जा चुके हैं सभी पंजीकृत लघु व्यापारियों को नगर निगम प्रशासन द्वारा प्रमाण पत्र व लाइसेंस दिया जाना न्याय पूर्ण होगा।

बैठक में मनीष कुमार, रणबीर चौधरी, बिजेंदर, तरुण अग्रवाल, चुन्नू चौधरी, सोनू कुमार, यामीन अंसारी, कुर्बान कलीम अहमद, मुकेश कश्यप, अमरजीत, मनोज मंडल आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

पाक में मिसाइल गिरने को राजनाथ सिंह ने बताया खेदजनक घटना

नई दिल्ली। बीते ९ मार्च को गलती से एक मिसाइल पाकिस्तान में फायरिंग पर संसद में आज एक बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को सदन को आश्वासन दिया कि मिसाइल प्रणाली बहुत विश्वसनीय और सुरक्षित है। बता दें कि, भारत सरकार ने गत शुक्रवार को कहा था कि दो दिन पहले गलती से एक मिसाइल चल गई थी, जो पाकिस्तान में गिरी और यह खेदजनक घटना नियमित रख रखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। राज्यसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं इस

सदन को ९ मार्च, २०२२ को हुई एक घटना के बारे में बताना चाहता हूं। यह निरीक्षण के दौरान एक आकस्मिक मिसाइल रिलीज से संबंधित है। मिसाइल यूनिट के नियमित रखरखाव और निरीक्षण के दौरान शाम करीब ७ बजे एक मिसाइल गलती से छूट गई। उन्होंने कहा कि बाद में पता चला कि मिसाइल पाकिस्तान के इलाके में गिरी थी। घटना खेदजनक है। लेकिन राहत की बात यह रही कि कोई नुकसान नहीं हुआ। मैं सदन को सूचित करना चाहता हूं कि सरकार ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है और उच्च स्तरीय जांच के लिए आधिकारिक आदेश दिए गए हैं।

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर

जम्मू। अवंतीपोरा जिले के चारसू इलाके में मंगलवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच में मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने पर पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने चारसू में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। जैसे ही सुरक्षाबलों की टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी तो वहां पर पहले से छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट करते हुए बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को मार गिराया गया है। अभी ऑपरेशन जारी है। मौके पर सुरक्षाबल तैनात हैं। बताया जा रहा है कि अभी दो आतंकी और छिपे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया है। इसके लिए आसपास के आने–जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया गया है। कुछ नागरिकों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इलाके में छिपे आतंकियों की संख्या दो से तीन हो सकती है। फिलहाल एक को मार गिराया या है। ये आतंकी किसी संगठन से संबंधित हैं, फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय कबड़ी खिलाड़ी संदीप नंगल की मैच के दौरान गोली मारकर हत्या !

नई दिल्ली। देश के अंतर्राष्ट्रीय कबड़ी खिलाड़ी संदीप नंगल की सोमवार को पंजाब में एक मैच के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बताया जारहा है कि जालंधर के मल्लियां गांव में चल रहे एक कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान अज्ञात हमालवरों ने शाम ६ बजे के करीब मैच के दौरान इस खिलाड़ी

की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक संदीप के सिर और सीने पर करीब १० राउंड गोलियां चलाई गई हैं। सूत्रों के मुताबिक सोमवार शाम जालंधर के मल्लियां गांव स्थित स्टेडियम में खेले जा रहे कबड्डी टूर्नामेंट के एक मुकाबले के दौरान अचानक अंधाधुंध गोलियां चलनी शुरू हो गईं। इस फायरिंग में कबड्डी टीम में शामिल खिलाड़ी संदीप नंगर अंबिया को कई सारी गोलियां लगीं। गोलियों की आवाज सुनने के बाद टूर्नामेंट में भगदड़ मच गई। संदीप एक पेशेवर कबड्डी खिलाड़ी थे। रिपोर्टस के अनुसार सोमवार शाम कबड्डी टूर्नामेंट के एक मैच के दौरान अचानक ही अंधाधुंध गोलियां चलने लगी, इस दौरान संदीप को लगभग १० गोलियां लगी थीं। यह देख दर्शकों के बीच भगदड़ मच गई। कोई कुछ समझ पाता, उससे पहले ही फायरिंग करने वाले बदमाश मौके से भागने में कामयाब रहे। संदीप ने अपने चाहने वालों के बीच वो ग्लेडिएटर के नाम से मशहूर थे। पंजाब के अलावा वो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कनाडा, यूएसए और यूके में भी खेल चुके थे।

छात्रों को पहननी ही पड़ेगी यूनिफॉर्म: हाईकोर्ट

विशेष संवाददाता

बेंगलुरु। हिजाब विवाद पर सुनवाई करते हुए आज कर्नाटक हाईकोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि छात्रों को शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित यूनिफार्म पहननी ही पड़ेगी। हाईकोर्ट की बेंच द्वारा आज हिजाब पहनने को अपना मौलिक अधिकार बताने संबंधी उस याचिका को भी खारिज कर दिया गया जिसमें उन्हें हिजाब पहनकर कॉलेज आने से रोका जाना अपने मौलिक अधिकारों का हनन बताया गया था।

❑हिजाब की इजाजत वाली याचिका खारिज ❑हिजाब इस्लाम धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं

कर्नाटक हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्य बेंच ने आज इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा है कि हिजाब इस्लाम धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। उन्होंने स्कूल–कॉलेजों में हिजाब पहनकर आने की इजाजत देने से साफ इंकार करते हुए कहा है कि स्कूल कॉलेजों को अपनी यूनिफॉर्म तय करने का अधिकार है तथा सभी छात्र–छात्राओं को स्कूल कॉलेज की यूनिफॉर्म पहन कर आना चाहिए तथा कोई भी छात्र यूनिफार्म पहन कर आने से इन्कार नहीं कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2021 में कर्नाटक के एक कालेज में 6 छात्राओं द्वारा हिजाब पहन कर आने का विरोध किए जाने के बाद यह विवाद पैदा हुआ था। जिसे लेकर यह मुस्लिम छात्राएं कोर्ट तक पहुंची थी। उनके द्वारा की गई अपील में कहा गया था कि संविधान के अनुच्छेद 25 (1) के तहत उन्हें हिजाब पहनने का चुनाव उनका एक मौलिक अधिकार है जिसके तहत उन्हें हिजाब में कालेज जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। अदालत का मानना है कि उन्हें फैसला किसी धर्म के लिबास पर नहीं बल्कि स्कूल कॉलेज की यूनिफॉर्म पर करना है। उनके द्वारा स्कूल कॉलेजों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध कानून व्यवस्था या समाज की नैतिकता के लिए नहीं है।

यह मामला इसलिए भी संवेदनशील हो गया था क्योंकि कुछ नेताओं ने इसे राजनीतिक रंग देना शुरू कर दिया था और इसे हिंदू–मुस्लिम बनाने के प्रयास किए गए थे। आज आये फैसले से पूर्व पुलिस प्रशासन द्वारा चीफ जस्टिस ऋतुराज अवस्थी के आवास और कार्यालय की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस फैसले के बाद कुछ मुस्लिम महिला नेताओं ने जहां इसका विरोध किया है वही कुछ महिलाओं ने इसकी तारीफ करते हुए कहा है कि मुस्लिम लड़कियों के लिए हिजाब से ज्यादा जरूरी उनकी शिक्षा है। वहीं दूसरी तरफ कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस फैसले को गलत बताया है और कहा है कि उन्हें इस पर हैरानी हो रही है कि कोई हाईकोर्ट ऐसा फैसला कैसे दे सकता है।

जियो कंपनी व स्मार्ट सिटी में काम दिलाने के नाम पर ठगे 38 लाख

संवाददाता

देहरादून। जियो कम्पनी में टैक्सी कैब लगवाने व स्मार्ट सिटी में पाइप सप्लाइन कराने के नाम पर 38 लाख रूपये ठगने पर पति पत्नी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीतम रोड निवासी गोपाल सिंह मारा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान वन विहार मेहूंवाला निवासी सौरभ अग्रवाल व उसकी पत्नी सुसोबिता अग्रवाल के साथ हुई। दोनों पति पत्नी ने उससे कहा कि उसकी अच्छी खासी पहचान है तथा वह उसको जियो कम्पनी मे टैक्सी/ कैब लगवा देगे व स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में उसको पाइप सप्लाइ का ठेका दिलवा देगे। वह उनके झांसे में आ गया तथा दोनों कामों के लिए पति पत्नी ने उससे समस–समय पर बैंक खातों व नगद 38 लाख बीस हजार रूपये ले लिये। इस दौरान ना तो उसको जियो कम्पनी व ना ही स्मार्ट सिटी में काम मिला तब वह समझ गया कि दोनों ने उसके साथ ध ोखा किया है तथा उसके रूपये हडप लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सार्वजनिक सूचना

मेरे पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र में अर्थव (ATHARV) अंकित है तथा माता का नाम एकता शाह है। मैं अपने पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र में अर्थव आर्य (ATHARV ARYA) करवाना चाहता हूं। मेरी कोई धोखाधड़ी की मंशा नहीं है। कृपया मेरे पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र में अर्थव आर्य (ATHARV ARYA) अंकित किया जाये।

ऋषभ पुत्र भानू प्रकाश
निवासी–आर्यनगर
पोस्ट–भानियावाला, डोईवाला,
देहरादून (उत्तराखण्ड)

ठेली वालों से उगाही करता फर्जी पुलिसकर्मी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। ठेली, रेहडी व दुपहिया वाहनों से उगाही करते फर्जी पुलिसकर्मी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पुलिस का फर्जी आई कार्ड, वर्दी व अन्य सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज थाना वसंत विहार पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति पुलिस के नाम पर ठेली, फड वालो से एवम वाहन चालकों आदि से पैसे वसूल रहा है उक्त व्यक्ति पुलिस की वर्दी धारण किए हैं जो संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। सूचना पर चौकी प्रभारी इंदिरानगर उपनिरीक्षक विकसित पवार पुलिस बल के उक्त व्यक्ति की तलाश करते हुए शास्त्री नगर खाले से कावली गांव जाने वाले कच्चे रास्ते पर पहुंचे तो एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में एक स्कूटी वाहन से आता हुआ दिखाई दिया। जिसको रोक कर चेक किया गया तो उक्त व्यक्ति द्वारा खुद को उत्तराखंड पुलिस का कॉन्स्टेबल बताते हुए पुलिस का आईडी कार्ड प्रस्तुत किया गया। पोस्टिंग इत्यादि के संबंध में पूछताछ करने पर कोई भी संतोजजनक जवाब नहीं दे पाया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई तो उक्त व्यक्ति द्वारा माफी मांगते हुए बताया गया कि साहब वहं कोई पुलिस वाला नहीं है यह जो कार्ड मेरे द्वारा आपको दिखाया गया है यह फर्जी है मैं एक गरीब व्यक्ति हूं मेरे पास घर चलाने का कोई भी साधन नहीं है इसलिए मैं पुलिस की वर्दी पहन कर पुलिस का रोब दिखाकर चलते फिरते ठेली किराए के वाहनों से चेकिंग आदि के नाम पर पैसे वसूल कर अपना खर्चा चलाता हूं। उक्त व्यक्ति से पूछताछ करने पर इसके द्वारा अपना नाम मुकेश कुकरेती पुत्र विशाल मणि कुकरेती निवासी

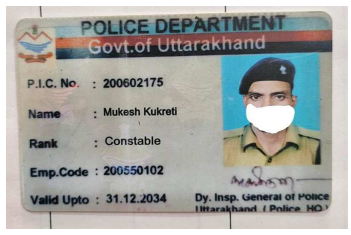

●उत्तराखण्ड पुलिस का फर्जी आई कार्ड भी बना रखा था

शास्त्री नगर सीमद्वार थाना वसंत विहार जनपद देहरादून मूल पता राम नगर शिव कॉलोनी थाना रायपुर जनपद देहरादून बताया।

उक्त व्यक्ति के कब्जे से उत्तराखंड पुलिस का एक पहचान पत्र, एक विजिटिंग कार्ड, एक वॉकी टॉकी प्राइवेट, एक पिस्टल हॉलस्टर, कुल 3400 रुपए एवं उत्तराखंड पुलिस की सिपाही की वर्दी जैकेट पेंट बेल्ट जिसमें उत्तराखंड पुलिस के बैच लगे हुए बरामद हुए। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।